

१/२५

पत्रायली आज भूल वाड के लक्ष जल में
देख प्रेष हुई। वही वही है भूल में खरीत
रहा। ठिगाने का प्रेष में अपने प्रेष
प्रक्षेप में वही लक्ष पर वही वही
जाने का निवेदन दिया गया। अतः प्रेष
का प्रेष-प्रक्षेप ही में वही ठिगाने
ही पत्रायली प्रेष प्रेष देखा वही
के वही प्रेष

रंजन रंजी

उपस्थित अधिकारी
कठूमर (अलवर) राज०